नवरात्रि

शहर में मूर्तिकारों ने बनाईं करीब 900 प्रतिमाएं , दुर्गा समितियां बैंड बाजे के साथ ले गई मूर्तियां

जयकारों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं की आगवानी

शहर के करीब 400 दुर्गा पंडालों में विराजेंगी मां जगतजननी की प्रतिमाएं रीवा, बरेली, पन्ना, कटनी, मैहर, इटारसी से दिया गया था मूर्ति निर्माण का ऑर्डर



नवभारत,जबलपुर। जबलपुर में बंगाल से आए बंगाली समाज के लोगों के द्वारा शुरू किया गया दुर्गा उत्सव अब यूपी, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित अन्य प्रमुख शहरों में एक अलग छाप छोड़ चुका है। इसकी मुख्य वजह जबलपुर में करीब 200 मूर्तिकारों द्वारा बनाई गईं आकर्षक मां जगतजननी दुर्गा की प्रतिमाएं और पंडालों में की गई साज सज्जा के साथ निर्मित की गईं मनमोहक झांकियां रहीं हैं। शहर में करीब 400 दुर्गा पंडालों में आकर्षक मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित की जातीं हैं जिनमें लगभग 70 प्रतिशत समितियों के द्वारा नवरात्रि के पहले दिन ही पंडाल में विधि विधान से मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर दी जातीं हैं और फिर सुबह शाम आरती का दौर शुरू हो जाता है। जानकारी के अनुसार शहर के मूर्तिकारों द्वारा करीब 900 प्रतिमाओं का निर्माण इस बार किया गया है।

उखरी चौक के पास मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाओं का निर्माण करने वाले मूर्तिकार प्रकाश साहू के ठिकाने से नवरात्रि के एक दिन पहले ही कई समितियों के पदाधिकारियों द्वारा मां दुर्गा की मूर्ति को धूम धाम से अपने अपने पंडालों में विराजित करने ले जाया गया। मूर्तिकार प्रकाश ने इस वर्ष करीब 40 दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण किया है और मां जगतजननी व मां महाकाली की आकर्षक प्रतिमाएं अपने साथी कलाकारों के साथ बनाईं हैं। मूर्तिकार प्रकाश के अनुसार मां दुर्गा की प्रतिमाओं के निर्माण की तैयारी वे कई महीनों पहले से ही करने लगते हैं। इसके अलावा भी शहर के अन्य मूर्तिकारों के ठिकाने से मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पंडाल तक ले जाने का क्रम चालू हुआ।

रोशनी से चमकेगी संस्कारधानी

रविवार से शारदेय नवरात्र शुरू हो रहा है और शहर की अनेक दुर्गा समितियों द्वारा दुर्गा पंडाल स्थापित कर दिए गए हैं। जहां आकर्षक विद्युत साज सज्जा लगभग पूरी कर ली गई है और शाम होते ही अब संस्कारधानी रोशनी से जगमग होगी। इसके अलावा शहर के मूर्तिकारों की कला भी पूरे देश में अपना परचम लहरा रही है जिसका नतीजा रहा है कि आज शहर के मूर्तिकारों के पास बरेली, रीवा, इटारसी, मंडला, डिंडोरी, तेंदूखेड़ा, पन्ना, मैहर, कटनी सहित अन्य प्रमुख शहरों से दुर्गा प्रतिमाएं निर्माण करने के ऑर्डर दिए गए हैं।

बड़ी प्रतिमाओं के निर्माण की परंपरा अब भी जारी

जानकारी के अनुसार जबलपुर के मशहूर मूर्तिकार कुंदन प्रजापति ने सबसे पहले मां दुर्गा की बड़ी प्रतिमाएं बनाना शुरू किया था। अब उनके बेटे नंदकिशोर प्रजापति भी इसी कला को आगे बढ़ा रहे हैं। नंदकिशोर प्रजापति के मुताबिक, ''जबलपुर में मिट्टी से प्रतिमाएं बनाने वाले कलाकारों का एक संगठन है, जिसमें करीब 150 कलाकार रजिस्टर्ड हैं। इसके अलावा करीब 50 अन्य कलाकार भी मिट्टी से प्रतिमाएं बनाते हैं। नंदकिशोर के पास से भी जबलपुर में बनी माता दुर्गा की प्रतिमाएं उत्तर प्रदेश के बांदा, बनारस और झांसी के साथ ही मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भेजीं जातीं हैं।

आज से माता की आराधना में लीन होगी संस्कारधानी



नवभारत,जबलपुर। रविवार से मां जगतजननी की आराधना में संस्कारधानी के लोग लीन हो जाएंगे। वैदिक पुराणों के अनुसार नवरात्रि संयोग में कलश स्थापना के साथ आरंभपर अखण्ड ज्योत और कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। कलश में ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र, नवग्रह समेत चौसठ योगिनियों का वास होता है। धर्मशास्त्र के अनुसार नवरात्र में कलश पूजन करने से सुख-समृद्धि, धन, ऐश्वर्य, शांति, पारिवारिक उन्नति तथा रोग-शोक का नाश होता है। इस बार भी नवरात्रि को लेकर शहर में उत्साह है। मंदिरों से लेकर घरों तक में तैयारियां व्यापक स्तर पर की जा चुकीं हैं।

इन मंदिरों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

भानतलैया स्थित श्री बड़ी खेरमाई मंदिर के सैकड़ों वर्षों की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी मां जगदम्बा बड़ी खेरमाई माता का वैदिक रीति से पूजन आराधना का आयोजन इस बार और विशेष होगा। हर दिन माता का अलग-अलग श्रृंगार तथा अष्टमी और नवमी को रात में मातारानी का विशेष महाआरती होगी। प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार कल ब्रह्म मुहुर्त से ही मातारानी को जल ढारने का क्रम प्रारंभ होगा। इसके साथ बूढ़ी खेरमाई, मानस भवन वाली खेरमाई, छोटी देवन, मक्रवाहिनी माता रानी कबूतरखाना, शारदा मंदिर बरेला, शारदा मंदिर मदन महल, शोभापुर की माताराानी, तुलजा भवानी मंदिर तमरहाई चौक सहित तमाम देवी-देवालयों में धार्मिक अनुष्ठान का क्रम रविवार से शुरू हो जाएगा। वहीं बगलामुखी सिद्ध पीठ सिविक सेंटर में भगवती की अखंड ज्योति कलश स्थापित होगी।

एक नजर में

कालीधाम में 501 अखंड ज्योति कलश की स्थापना

नवभारत,जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट जबलपुर में 501 अखंड ज्योति कलश की स्थापना की गई है। कालीधाम के संस्थापक एवं संचालक पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद महाराज एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतन्य महाराज के द्वारा स्थापना की गई है। इस शुभ अवसर पर आचार्य पुरोहितों द्वारा दुर्गा सप्तशती का पाठ, माँ भगवती काली का पूजन अरचन, श्रृंगार तथा षोडोपचार विधि से पूजन किया जायेगा। अनिल उसरेटे ने जनकारी देते हुए बताया कि कालीधाम में अखंड ज्योति कलश के दर्शन पंचमी तिथी से प्रारंभ होगें।

चतुर्थ वार्षिक कीर्तन दरबार आज

नवभारत,जबलपुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 11 अक्टूबर को शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक चतुर्थ वार्षिक कीर्तन दरबार का आयोजन गुरुद्वारा प्रेमनगर मदनमहल में आयोजित किया जा रहा है। इसमें सुविख्यात रागी जत्था भाई कुलविंदर सिंह खरड़, चंडीगढ़, पंजाब के साथ ही विभिन्न जत्थे गुरुवाणी शबद कीर्तन और कथा प्रवाह चलाएंगे। गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। आयोजक सिमरन सेवक जत्था द्वारा साध संगत से उपस्थिति की अपील की गई है। 12 अक्टूबर को प्रातः 9.30 बजे से अपरान्ह 12.45 बजे तक दूसरा कीर्तन दरबार लगेगा जिसमें रागी जत्था भाई कुलविंदर सिंह खरड़ आदि शिरकत करेंगे। इसके बाद गुरु का लंगर वितरित होगा।

महाराष्ट्र स्कूल के सामने आज स्थापित होगी दुर्गा प्रतिमा

नवभारत,जबलपुर। नवरात्र पर्व के अवसर पर उल्लास दुर्गोत्सव समिति की ओर से रविवार 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र स्कूल के सामने घट एवं दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। समिति द्वारा सुबह 9:30 बजे से आचार्य-पुरोहितों के सान्निध्य में षोडशोपचार विधि से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों ने तैयारियां की हैं। आयोजक अरुण उसरेटे, मुकुल श्रीवास्तव, रितेश गुप्ता, मुन्ना पंडित और नीरज वर्मा ने सनातन समाज के लोगों से स्थापना समारोह में शामिल होने की अपील की है।

अमावस्या पर महाकाली की महाआरती



खेरमाई मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

नवभारत,जबलपुर। चेरीताल स्थित प्राचीन खेरमाई मंदिर में अमावस्या के अवसर पर माता खेरमाई और माता महाकाली की महाआरती श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ की गई। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा।

भक्तों ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महाआरती के दौरान मंदिर में भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मंदिर से जुड़े रामस्वरूप रजक ने बताया कि अमावस्या पर आयोजित महाआरती में स्थानीय भक्तों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। आयोजन में रामस्वरूप रजक, रमेश रजक, दिनेश पटेल, लालू नामदेव, आनंद पटेल, प्रिंस ठाकुर, अजय रजक, प्रदीप रजक, राज मिस्त्री, भरत रजक, विवेक रजक, पवन रजक, सचिन पटेल और अरुणेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव को मिला सर्वोच्च लाइफटाइम अचीवमेंट गोल्ड मैडल

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में किया सम्मानित



नवभारत,जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जबलपुर के प्रो. (डॉ.) अतुल कुमार श्रीवास्तव, कृषि अभियांत्रिकी संकाय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता संकाय को कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में चार दशकों से अधिक के उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स नई दिल्ली के प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट गोल्ड मेडल 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान प्रतिवर्ष देश के एक वैज्ञानिक को प्रदान किया जाता है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय श्रीनगर में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स के 60वें वार्षिक सम्मेलन, डायमंड जुबली समारोह एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। सम्मेलन का प्रमुख विषय कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स था। यह उपलब्धि जेएनकेविवि और मध्य प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

देशव्यापी कृषि यंत्रीकरण में योगदान

प्रो. (डॉ.) अतुल कुमार श्रीवास्तव, श्रीवास्तव ने मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों, कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों तथा सरकारी कृषि विभागों के साथ मिलकर आधुनिक कृषि यंत्रीकरण, उन्नत कृषि यंत्रों और कस्टम हायरिंग मॉडल को बढ़ावा दिया।

438 प्रकाशन और 21 पेटेंट

कृषि मशीनरी, ट्रैक्टर शक्ति, कृषि यंत्र डिजाइन, एर्गोनॉमिक्स, मृदा गतिकी, कंप्यूटर आधारित डिजाइन और जैव ईंधन अभियांत्रिकी में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उनके नाम 21 स्वीकृत पेटेंट (17 भारतीय एवं 4 जर्मन) हैं, जबकि 10 अन्य भारतीय पेटेंट प्रक्रियाधीन हैं। उनके कुल 438 प्रकाशनों में 293 शोध पत्र, 17 पुस्तकें, 15 पुस्तक अध्याय, 9 तकनीकी मैनुअल, 25 तकनीकी बुलेटिन तथा 25 लोकप्रिय एवं अन्य लेख शामिल हैं।

बहोरा बाग में अखिल भारतीय मुशायरा आज

देशभर के नामचीन शायर करेंगे शिरकत

नवभारत,जबलपुर। बहोरा बाग विकास समिति के तत्वावधान में रविवार को बहोरा बाग में अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। मुशायरे में देशभर के नामचीन शायर शिरकत कर अपने कलाम पेश करेंगे।

समिति के अध्यक्ष मुस्तफा अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू करेंगे। विधायक लखन घनघोरिया प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल होंगे, जबकि कदीर सोनी मुशायरे की अध्यक्षता करेंगे और पूर्व विधायक विनय सक्सेना मुख्य अतिथि होंगे। मुशायरे में नईम अख्तर खादमी, डॉ. सबा बलरामपुरी, तरन्नुम नाज़ फतेहपुरी, डॉ. मेहताब आलम, डॉ. जलीलुर्रहमान बुरहानपुर, पैकर पानीपत, शाद बिलासपुर और सरवर कमाल झांसी सहित देश के विभिन्न शहरों से आए शायर अपना कलाम पेश करेंगे। वहीं स्थानीय शायरों में उस्ताद बाबू अनवर निजामी, दानिश जैगमी, हाजी शेख निजामी, मुख्तार नादिर और अनीस जबलपुरी भी अपने कलाम पेश करेंगे। कार्यक्रम को कामयाब बनाने में समिति के शेख निजामी, मुख्तार नादिर, सगीर बमबया, सगीर अंसारी, वकील मंसूरी और लाला मिस्त्री सहित अन्य सदस्य ने शहरवासियों से मुशायरे में शिरकत कर शायरों की हौसला अफजाई करने की अपील की है।

सदर रामलीला में हुआ धनुष यज्ञ सीता विवाह



नवभारत, जबलपुर। सदर रामलीला में धनुष यज्ञ एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद का मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शकदीघा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मंचन में सभी राजाओं को पराजित होते देखा राजा जनक दुखी हुए पृथ्वी पर कोई वीर नहीं यह सुन लक्ष्मण क्रोधित होते हैं। कठोर वचन कैसे कहा आपने जबकि क्षत्रिय वीर रघुकुल शिरोमणि भैया राम यहां उपस्थित हैं यह धनुष क्या चीज है मैं संपूर्ण ब्रह्मांड उठा सकता हूं इस समय विश्वामित्र राम को आज्ञा देते हैं क्षण भर में धनुष उठ जाता है दो टुकड़े हो जाते हैं और सीता राम एक दूसरे को वरमाला पहनाते हैं। आज रविवार को भगवान श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम की बारात सदर की विभिन्न गलियों में रामलीला मैदान से प्रारंभ होगी। वाजपेई तिवारी अखाड़ा समस्त गलियों में भगवान की राम कलेवा ढोल धमाके के साथ आरती पूजन आयोजित होगा।

बुजुर्गों का सम्मान ही संस्कारों की असली पहचान : आर्यिका सिद्धमति माता

नवभारत,जबलपुर। गढ़ा स्थित बड़े जैन मंदिर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज का अवतरण दिवस श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। आर्यिका 105 श्री सिद्धमति माताजी और आर्यिका 105 श्री संयतमति माताजी के पावन सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में सकल जैन समाज के श्रद्धालुओं ने अभिषेक, शांतिधारा और आचार्यश्री की पूजन की। भक्तों ने भक्ति भाव से अर्घ्य समर्पित किए। पाठशाला के बच्चों ने 'जनक-जननी' विषय पर प्रेरणादायी नाटक प्रस्तुत कर माता-पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जनक-जननी सम्मान समारोह रहा। मंदिर कमेटी की ओर से समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया, वहीं परिवारों ने भी अपने माता-पिता और बुजुर्गों का अभिनंदन कर उनके प्रति आभार जताया। मीडिया प्रभारी नीरज नारद ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी में पारिवारिक संस्कारों और बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा। प्रवचन में आर्यिका सिद्धमति माताजी ने कहा कि जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां संस्कारों की सुगंध पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनी रहती है। माता-पिता का आशीर्वाद परिवार की सबसे बड़ी पूंजी है और उनका सम्मान हमारी संस्कृति का सच्चा गौरव है।

दुर्गा मंदिर प्रांगण में पूर्वजों की स्मृति में रोपे गए पौधे



नवभारत,जबलपुर। पितृ मोक्ष अमावस्या के पावन एवं कल्याणकारी अवसर पर धनवंतरी नगर स्थित श्री सिद्ध दुर्गा मंदिर के प्रांगण में अपने पूर्वजों की स्मृति एवं श्रद्धांजलि स्वरूप पीपल के वृक्षों का रोपण किया गया। इस पुनीत पहल के माध्यम से पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। महाराणा प्रताप वार्ड के पार्षद जीतू कटारे ,धार्मिक विकास समिति के अध्यक्ष के.के.शुक्ला , सन्दीप पटेल ,कैलाश शर्मा , बी.पी.खरे ने अपने पूर्वजों के नाम पर वृक्षारोपण किया और सभी को यह संदेश देने का प्रयास किया कि जैसे पीपल बरगद के बट वृक्ष के नीचे हमें ठंडी छांव मिलती है वैसे ही हमारे घर के वरिष्ठ जनों का होना किसी शीतल छांव से कम नहीं।

भाजपा प्रभारी दीपांकर बैनर्जी ने सभी मंडलों का किया संगठनात्मक प्रवास



नवभारत,जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों की बैठक में समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

इसी क्रम में जिले की सौंसर एवं पांढुर्णा विधानसभा क्षेत्रों के सभी मंडलों में संगठनात्मक बैठकें संपन्न हुईं। बैठकों में अभियान के आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए भाजपा प्रभारी दीपांकर बैनर्जी द्वारा कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए तथा कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं सेवा ज्योति यात्रा के अंतर्गत भाजपा जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना गया। इसके बाद नगर में सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। इस आयोजन का उद्देश्य सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। इस अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी , भाजपा जिला प्रभारी दीपांकर बैनर्जी, जिला महामंत्री देवेंद्र गायकवाड़, सेवा ज्योति यात्रा प्रभारी राहुल मोहोड, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वैशाली महाले, जिला पदाधिकारी, समस्त मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विदाई

पितृ पक्ष के अंतिम दिन उमड़ा जनसैलाब

नर्मदा तटों पर नम आंखों से दी गई पितरों को विदाई



नवभारत,जबलपुर। पितर पक्ष पर यूं तो हर साल पितरों-पूर्वजों के प्रति मान सम्मान के भाव रख कर उनकी याद में विभिन्न अनुष्ठान किए जाते हैं। लेकिन अंतिम दिवस पर उनकी विदाई की बेला में हर आंख नम हो जाती है। ईश्वरीय और परा शक्ति को न मानने वाले लोग भी ये मानते हैं कि उनके पिता न होते तो वे न होते। और पूर्वज न होते तो उनके पिता भी न होते। यही कारण है कि ये 15 दिन पूर्वजों की श्रद्धा के दिन होते हैं। अमावस्या पर शनिवार को पितरों की विदाई पर हर नर्मदा तट पर भावुक क्षण देखे गए। इस बार उन्होंने विशेष अनुष्ठान किया जिन्होंने अपनों को कोरोना महामारी में खोया, और अंतिम संस्कार तक नहीं कर पाए थे।

जानकारी के अनुसार इस बार नर्मदा तटों पर उमड़ने वाली भीड़ में जाने-अनजाने पितरों के प्रति प्रस्तुत किए जाने वाले श्रद्धासुमन अधिक रहे। इस दौरान बेसन के पुतले का हवन-पंडितों ने कई यजमानों से बेशन के पुतले को प्रतीक स्वरूप हवन यस्टि में स्वाहा किया। उनके नाम के श्मशान पिंड, एकादशी पिंड, दशगात्र पिंड सहित कई अनुष्ठान किए। कई परिवारों ने तो पितर के तेरा दिन सूतक की सी ही अशुद्धि मानी। इन्हें काशी, प्रयाग, पुष्कर, हरिद्वार, गयाजी में विसर्जित कराया। जो कहीं नहीं जा सके, उन्होंने यहीं नर्मदा जी में पितर अनुष्ठान किए। इसके साथ ही पारंपरिक रूप से किए जाने वाले पितर अनुष्ठान वैसे ही हुए।

ग्वारीघाट मार्ग , तिलवारा पर सुबह लगा लंबा जाम



पितृमोक्ष अमावस्या पर शनिवार को नर्मदा तटों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। आलम ये रहा कि ग्वारीघाट मार्ग पर लंबा जाम लग गया और यातायात बहाल करने में मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के पसीने छूट गए। वहीं तिलवारा मार्ग पर भी जाम की स्थिति रही। लोगों ने स्नान पूजन पाठ करने के बाद पितरों का आह्वान किया। सबसे ज्यादा जाम उन वाहनों के कारण लगा जो बड़े फोर व्हीलर से गया जी गए थे। और लौट कर सीधे ग्वारीघाट और तिलवाराघाट पहुंचे गए।

प्रभु येशु हमारे लिये एक महान उपहार हैं : फादर जॉन सुरेन्द्र



बालक येशु का वार्षिक भक्ति महोत्सव

नवभारत, जबलपुर। भंवरताल उद्यान होली ट्रिनिटी चर्च नेपियर टाउन में बालक येसु की वार्षिक भक्ति के 29 वें महोत्सव के तारतम्य में नौदिवसीय प्रार्थना के आठवें दिवस सेंट पीटर एवं पॉल कैथेड्रल चर्च के सहायक पल्ली पुरोहित श्रद्धेय फादर जॉन सुरेन्द्र कुमरे के करकमलों से पावन खीस्तयाग अर्पित किया गया। इस अवसर पर फादर जॉन सुरेन्द्र कुमरे ने प्रवचन की अमृतवर्षा करते हुए कहा कि प्रभु येसु हमारे लिये समस्त उपहारों से बढ़कर है। येसु मसीह एक ऐसा उपहार है जो सबसे पहले माता मरियम को मिला, ऐसा उपहार है जो चरवाहों को मिला, ऐसा उपहार है जो बांझ कहलाने वाली एलिजाबेथ को मिला, एक ऐसा उपहार है जो सारी मानव जाति के लिए मिला। पवित्र बाइबिल के अनुसार प्रभु बालक येसु ऐसे उपहार है जो क्रूस मरण के बाद पुन: जी उठते हैं। हमें याद रखना है कि सब कुछ नष्ट हो जायेगा किंतु प्रभु येसु का नाम नहीं मिट सकता। प्रभु येसु को जिस क्रूस पर लटकाया गया था वो क्रूस की लकड़ी आज भी सुरक्षित है। क्योंकि प्रभु येसु आदि से अनादि काल तक ईश्वर है। हम सदैव यह विश्वास रखें कि प्रभु येसु हमारे जीवन के लिये एक महान् उपहार हैं। इस अवसर पर निर्मला चर्च, घमापुर की गायन मंडली ने सुमधुर स्वर से बालक येसु की स्तुति करने में विश्वासियों का सहयोग किया।

बालक येशु के आदर में शोभायात्रा आज

आज रविवार को बालक येसु के आदर में भव्य एवं विशाल शोभायात्रा होली ट्रिनिटी चर्च प्रांगण से शोभायात्रा संध्या 6.30 बजे प्रारंभ होकर जबलपुर हॉस्पिटल रोड, रसल चौक, राजीव गांधी चौक, नगर निगम चौक, मोटर मित्र पेट्रोल पम्प, सेंट नॉर्बट स्कूल से होते हुए वापिस चर्च प्रांगण में समाहित होगी। इसके पूर्व संध्या 4.30 बजे से पावन खीस्तयाग झाबुआ धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष परम श्रद्धेय बिशप पीटर कराढी के करकमलों द्वारा अर्पित किया जायेगा।